आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 13 अंक : 41 लखनऊ, मंगलवार 07 फरवरी 2023 से 13 फरवरी 2023 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोटे अनाज को श्री अन्न कहने के पीछे का तर्क समझाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अपने बजट भाषण में मोटे अनाज को श्री अन्न कहे जाने के पीछे के तर्क का सोमवार को खुलासा किया। मोदी ने तुमकुरु जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह नाम कर्नाटक से लिया गया है जहां मोटे अनाज को सिरी धान्य कहा जाता है, जो श्री धान्य कहने का बोलचाल का तरीका है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''कर्नाटक के लोग मोटे अनाज के महत्व को समझते हैं। यही कारण है कि आप सभी इसे 'सिरी धान्य' कहते हैं। कर्नाटक के लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए देश मोटे अनाज को आगे बढ़ा रहा है।'' मोदी ने कर्नाटक के लोगों से स्वयं को जोड़ने का प्रयास करते हुए कहा, ''अब मोटे अनाज को देशभर में श्री अन्न के नाम से जाना जाएगा। श्री अन्न का मतलब सभी खाद्यान्नों में सबसे अच्छा होता है।'' कर्नाटक में इस

वर्ष मई तक विधानसभा चुनाव होना है। यह प्रधानमंत्री का एक महीने से भी कम समय में राज्य का तीसरा दौरा है। उनका यहां १३ फरवरी को 'एयरो इंडिया शो' का उद्घाटन करने और २७ फरवरी को जिला मुख्यालय शहर शिवमोगा में हवाईअड्डे का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। मोदी ने कर्नाटक में मडुआ आदि मोटे अनाज की पैदावार होने का उल्लेख किया। मडुआ से बने लोकप्रिय भोजन का प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेख किए जाने पर सभा में मौजूद लोगों की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया जतायी गई। मोदी ने कहा, '' मडुआ मुदे और मडुआ रोटी का स्वाद कौन भूल सकता है? इस साल के बजट में श्री अन्न के उत्पादन पर बहुत जोर दिया गया है, जिससे कर्नाटक के सूखाग्रस्त क्षेत्रों के सीमांत किसानों को बहुत मदद मिलेगी।'' ‍ेषि विशेषज्ञों के अनुसार, मोटे अनाज को कर्नाटक में श्री धान्य कहा जाता है क्योंकि यह न केवल स्वादिष्ट और पोषण से भरपूर होता है, बल्कि इसमें ढेर सारे औषधीय गुण भी होते हैं।

अडानी कंपनी को बड़ा झटका, रद्द हुआ स्मार्ट प्रीपेड मीटर का टेंडर

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के अडानी कंपनी के टेंडर को निरस्त कर दिया है। टेंडर में छह हजार प्रति मीटर के बजाय १० हजार रुपये न्यूनतम दर आने के भारी विरोध के बाद मध्यांचल कंपनी ने यह कार्रवाई की। इस बीच, पावर का अरपोरेशन ने बाकी कंपनियों जीएमआर व इंटेली स्मार्ट के भी ऊंचे दर वाले टेंडर निरस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है।प्रदेश में ढाई करोड़ उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने हैं। प्रीपेड मीटर लगाने के लिए अडानी समेत दूसरी कंपनियों ने भी टेंडर डाले थे। केंद्र सरकार की कंपनी ग्रामीण विद्युतीकरण लिमिटेड की ओर से जारी गाइड लाइन में छह हजार रुपये मीटर की लागत रखी गई थी, पर टेंडर में अडानी ने न्यूनतम दर १० हजार रुपये प्रति मीटर दिये थे। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इसका विरोध करते हुए विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उपभोक्ताओं से ज्यादा रकम वसूलने के लिए न्यूनतम टेंडर १० हजार रुपये दिया गया। परिषद ने औद्योगिक घरानों को लाभ पहुंचाये

जाने का आरोप लगाया था। यह भी आरोप लगाया गया था कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से १० हजार रुपये मीटर लागत स्वीकृत करने के लिए प्रदेश की बिजली कंपनियो पर दबाव बनाया जा रहा था। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने अडानी कंपनी का टेंडर निरस्त किये जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा न होता, तो उपभोक्ताओं को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल, पश्चिमांचल व दक्षिणांचल कंपनियों में निजी कंपनियों ने ऊंची दरों पर टेंडर दिये गये, इनके निरस्त होने तक विरोध जारी रहेगा। उन्होंने बाकी कंपनियों के टेंडर शीघ्र निरस्त करने की मांग उठाई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा तुर्किये के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है भारत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तुर्किये में आए भूकंप में लोगों की मौत पर सोमवार को शोक व्यक्त किया और कहा कि भारत इस त्रासदी से निपटने में मदद के लिए हरसंभव सहायता देने को तैयार है। दक्षिणपूर्वी तुर्किये और सीरिया में सोमवार को तड़के ७.८ तीव्रता के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे कई इमारतें ढह गईं। भूकंप संबंधी घटनाओं में कम से कम १६५ लोगों की मौत की खबर है और सैकड़ों घायल हो गए हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मोदी ने ट्वीट किया, ''तुर्किये में भूकंप के कारण हुए जान–माल के नुकसान से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' प्रधानमंत्री ने भूकंप पर तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के एक ट्वीट को टैग करते हुए कहा, ''भारत तुर्किये के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस त्रासदी से निपटने के लिए हरसंभव सहायता देने को तैयार है।'' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी भूकंप में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''तुर्किये में भूकंप के कारण हुए जानमाल के नुकसान से बहुत व्यथित हूं। इस कठिन समय में अपनी संवेदना और समर्थन से तुर्किये के विदेश मंत्री को अवगत कराया।

'रामचरितमानस' की प्रतियां जलाने के मामले में दो आरोपियों पर रासुका लगाया गया

लखनऊ के 'वृंदावन योजना' सेक्टर में 'सांकेतिक' विरोध प्रदर्शन के दौरान 'रामचरितमानस' की छायाप्रतियां (फोटोकपी) जलाने के आरोप में जेल में बंद दो लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि २६ जनवरी को यहां पीजीआई पुलिस थाने में दर्ज मामले के संबंध में जिलाधिकारी ने जेल में बंद मोहम्मद सलीम और सत्येंद्र कुशवाहा के खिलाफ रासुका लगाया है। पुलिस के मुताबिक, २६ फरवरी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा १४२, १४३, १५३ ए, २९५, २९५ ए, २९८, ५०४, ५०५, ५०६ और १२० बी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। पुलिस ने बताया था कि सतनाम सिंह लवी नामक व्यक्ति की शिकायत पर यहां पीजीआई थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि श्री 'रामचरित मानस' के पन्नों की छायाप्रतियां जलाने से शांति एवं सद्भाव को खतरा है। प्राथमिकी में समाजवादी पार्टी (सपा) नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के अलावा देवेंद्र प्रताप यादव, यशपाल सिंह, सत्येंद्र कुशवाहा, देवेंद्र प्रताप यादव, सुजीत यादव, नरेश सिंह, सुरेश सिंह यादव, संतोष वर्मा, मो. सलीम और अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। आरोपियों में से पांच–सत्येंद्र कुशवाहा, यशपाल सिंह लोधी, देवेंद्र प्रताप यादव, सुरेश सिंह और मोहम्मद सलीम को ३० जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थन में 'अखिल भारतीय ओबीसी महासभा' संगठन के कार्यकर्ताओं ने पिछले रविवार को कथित तौर पर 'महिलाओं और दलितों पर आपत्तिजनक टिप्पणियों' के उल्लेख वाले श्री'रामचरितमानस' के 'पन्ने' की छायाप्रतियां जलायी थीं। 'अखिल भारतीय ओबीसी महासभा' ने मौर्य के समर्थन में लखनऊ के 'वृंदावन योजना' सेक्टर में 'सांकेतिक' विरोध प्रदर्शन करते हुए श्री'रामचरितमानस' के पन्ने की छायाप्रतियां जलाई थीं। महासभा के पदाधिकारी देवेंद्र प्रताप यादव ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''जैसा कि मीडिया के एक वर्ग में बताया गया है कि हमने श्री'रामचरितमानस' की प्रतियां जलाई हैं, यह कहना गलत है। 'शूद्रों' (दलितों) और महिलाओं के खिलाफ पुस्तक की आपत्तिजनक टिप्पणियों वाले पन्ने की फोटोकपी को सांकेतिक विरोध के तौर पर जलाया गया।'' यह पूछे जाने पर कि उन्हें ऐसा विरोध दर्ज कराने के लिए किसने प्रेरित किया, इस पर यादव ने कहा, ''स्वामी प्रसाद मौर्य ने पहले ही मांग की थी कि श्री 'रामचरितमानस' में उल्लिखित आपत्तिजनक टिप्पणियों को हटा दिया जाना चाहिए या उन पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। सरकार ने इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया। स्वामी प्रसाद मौर्य को हमारा समर्थन है और अखिल भारतीय ओबीसी महासभा उनके साथ खड़ी है।''अन्य पिछड़ा वर्गों के प्रमुख नेताओं में शुमार किये जाने वाले सपा के विधान परिषद सदस्य तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने हाल में यह आरोप लगाकर एक विवाद खड़ा कर दिया कि श्री'रामचरितमानस' की कुछ चौपाइयों में जाति के आधार पर समाज के एक बड़े वर्ग का ''अपमान'' किया गया है। उन्होंने इन पर ''प्रतिबंध'' लगाने की मांग की। मौर्य राज्य में पिछली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। लेकिन २०२२ के विधानसभा चुनाव से ऐन पहले उन्होंने इस्तीफा देकर सपा का दामन थाम लिया था। उन्होंने कुशीनगर जिले की फाजिलनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। बाद में सपा ने उन्हें विधान परिषद का सदस्य बना दिया।

सम्पादकीय

सड़क से लेकर संसद तक संग्राम

अडाणी मुद्दे पर संसद से लेकर सड़क तक हंगामा कर रही कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को देशभर में जिला कांग्रेस कमेटी की अगुवाई में जिले में स्थित एलआईसी और एसबीआई कार्यालयों पर मार्च और विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलवा अडाणी समूह से जुड़े मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों ने संसद के दोनों सदनों में आज भी हंगामा किया जिसके चलते तीसरे दिन भी कार्यवाही बिना कामकाज के दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे पर संसद भवन परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष भी प्रदर्शन किया और मांग की कि सभी कामकाज स्थगित कर अडाणी के मुद्दे पर चर्चा कराई जाये। उधर, अडाणी के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मैं शुरू से कहता रहा हूँ कि यह हम दो, हमारे दो की सरकार है। उन्होंने कहा कि अडाणी मुद्दे पर चर्चा नहीं होने देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरसंभव कोशिश करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि देश को जानना चाहिए कि अरबपति उद्योगपति के पीछे कौन–सी ताकत है। राहुल ने संवाददाताओं से कहा, ''संसद में अडाणी जी पर चर्चा नहीं होने देने के लिए मोदी जी हरसंभव प्रयास करेंगे। इसकी एक वजह है और आप उसे जानते हैं। मैं चाहता हूं कि अडाणी के मसले पर चर्चा होनी चाहिए और सच सामने आना चाहिए। लाखों और करोड़ों का भ्रष्टाचार सामने आना चाहिए। देश को पता चलना चाहिए कि अडाणी के पीछे कौन–सी ताकत है।'' उन्होंने कहा, ''कई साल से मैं सरकार के बारे में और 'हम दो, हमारे दो' के बारे में बात करता आ रहा हूं। सरकार नहीं चाहती कि अडाणी मामले पर संसद में चर्चा हो क्योंकि वह डरी हुई है। सरकार को संसद में चर्चा करानी चाहिए लेकिन इससे बचने के प्रयास किए जाएंगे।'' उल्लेखनीय है कि अमेरिका की वित्तीय शोध कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह पर फर्जी लेनदेन और शेयर की कीमतों में हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद समूह के शेयर की कीमतों में भारी गिरावट आई है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए संसद में चर्चा कराने की मांग की है। पार्टी ने 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों की जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में या किसी संयुक्त संसदीय समिति द्वारा कराए जाने की मांग भी की है। अडाणी प्रकरण पर विपक्षी दल लगातार केंद्र को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि अडाणी समूह के शेयरों में हालिया गिरावट एक 'घोटाला' है जिसमें आम लोगों का पैसा शामिल है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने उनमें निवेश किया है। वहीं, अडाणी समूह ने कहा है कि वह सभी कानूनों और सूचना प्रकट करने संबंधी आवश्यकताओं का अनुपालन करता है।

धर्माचार्यों पर भड़के स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ। पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने आज फिर से धर्माचार्यों को रामचरित मानस विवाद पर चुनौती दी है और संघ

प्रमुख मोहन भागवत के बयान का हवाला देते हुए कहा कि जिस तरह रामचरित मानस की चौपाई हटाने को लेकर साधु संत धर्माचार्य उनकी जुबान काटने, सिर काटने, हाथ काटने जैसी धमकी दे रहे हैं। आतंकवादियों की भाषा बोल रहे हैं, क्या अब वो संघ प्रमुख के लिए भी ऐसी ही धमकियों और अपशब्दों का इस्तेमाल करेंगे। बता दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा था कि जाति व्यवस्था पंडितों ने पैदा की थी, हिन्दू धर्म में ऐसा नहीं था। इससे पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट करते हुए लिखा, ष्जाति–व्यवस्था पंडितों (ब्राह्मणों) ने बनाई है, यह कहकर है प्रमुख भागवत ने धर्म की आड़ में महिलाओं, आदिवासियों, दलितों व पिछड़ों को गाली देने वाले तथाकथित धर्म के ठेकेदारों व ढोंगियों की कलई खोल दी, कम से कम अब तो रामचरित्र मानस से आपत्तिजनक टिप्पड़ी हटाने के लिये आगे आयें।'

आरएसएस प्रमुख पर अखिलेश का पलटवार कहा स्पष्ट करना चाहिए कि जाति-वर्ण को लेकर क्या वस्तुस्थिति है?

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत द्वारा पंडितों और जाति–संप्रदाय को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) सुप्रीमो अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि उन्हें यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जाति–वर्ण को लेकर क्या वस्तुस्थिति है? सपा प्रमुख ने सोमवार को एक अखबार में प्रकाशित खबर की तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''भगवान के सामने तो स्पष्ट कर रहे हैं, पया इसमें ये भी स्पष्ट कर दिया जाए कि इंसान के सामने जाति–वर्ण को लेकर क्या वस्तुस्थिति है।'' खबर के अनुसार, भागवत ने कहा है कि भगवान के सामने कोई जाति वर्ण नहीं हैं, श्रेणी पंडितों ने बनाई है। आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में रविवार को एक कार्यक्रम में कहा था, ''भगवान ने हमेशा बोला है मेरे लिए सभी एक है। उनमें कोई जाति वर्ण नही हैं, लेकिन पंडितों ने श्रेणी बनाई, वह गलत था। भारत देश हमारे हिंदू धर्म के अनुसार चलकर बड़ा बने और वह दुनिया का कल्याण करे। हिंदू और मुसलमान सभी एक हैं।'' सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने इसी बयान पर एक अलग ट्वीट में कहा, ''जाति–व्यवस्था पंडितों (ब्राह्मणों) ने बनाई है, यह कहकर संघ प्रमुख श्री भागवत ने धर्म की आड़ में महिलाओं, आदिवासियों, दलितों एवं पिछड़ों को गाली देने वाले तथाकथित धर्म के ठेकेदारों और ढोंगियों की कलई खोल दी, कम

से कम अब तो 'रामचरितमानस' से आपत्तिजनक टिप्पणी हटाने के लिये आगे आयें।'' स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, ''यदि यह बयान मजबूरी का नहीं है तो साहस दिखाते हुए केंद्र सरकार को कहकर, 'रामचरितमानस' से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर नीच, अधम कहने तथा महिलाओं, आदिवासियों, दलितों एवं पिछड़ों को प्रताड़ित, अपमानित करने वाली टिप्पणियों को हटवायें। मात्र बयान देकर लीपापोती करने से बात बनने वाली नही है।'' सपा नेता मौर्य ने २२ जनवरी को बातचीत में कहा था, ''धर्म का वास्तविक अर्थ मानवता के कल्याण और उसकी मजबूती से है। अगर 'रामचरितमानस' की किन्हीं पंक्तियों के कारण समाज के एक वर्ग का जाति, वर्ण और वर्ग के आधार पर अपमान होता हो तो यह निश्चित रूप से धर्म नहीं बल्कि अधर्म है। 'रामचरितमानस' की कुछ पंक्तियों (दोहों) में कुछ जातियों जैसे कि तेली और कुम्हार का नाम लिया गया है।'' स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा था, ''इन जातियों के लाखों लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं। इसी तरह से 'रामचरितमानस' की एक चौपाई यह कहती है कि महिलाओं को दंड दिया जाना चाहिए। यह उनकी (महिलाओं) भावनाओं को आहत करने वाली बात है जो हमारे समाज का आधा हिस्सा हैं। अगर तुलसीदास की 'रामचरितमानस' पर वाद–विवाद करना किसी धर्म का अपमान है तो धार्मिक नेताओं को अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं की चिंता क्यों नहीं होती। क्या यह वर्ग हिंदू नहीं हैं?'' उन्होंने कहा था, '''रामचरितमानस' के आपत्तिजनक हिस्सों जिनसे जाति वर्ग और वर्ण के आधार पर समाज के एक वर्ग का अपमान होता है उन्हें प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए।''

सिर्फ संत रविदास के समक्ष नतमस्तक ही न हों संत रविदास के बताए मार्ग पर भी चलें सत्तारूढ़ दल : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने रविवार को संत रविदास जयंती के मौके पर सत्तारूढ़ दलों से कहा कि वे राजनीतिक हितों के लिए सिर्फ संत रविदास के समक्ष नतमस्तक ही न हों, बल्कि उनके बताए मार्ग पर भी चलें। मायावती ने ट्वीट कर कहा, "शासक वर्ग अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की खधतिर केवल संत गुरु रविदास जी के सामने माथा टेकने का कार्य न करे, बल्कि वह उनके गरीब व दु:खी–पीड़ित अनुयायियों के हित, कल्याण एवं उनकी भावनाओं का भी खधस खध्याल

रखे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।" प्रसिद्ध रहस्यवादी कवि एवं सुधारक संत रविदास का जन्म १५वीं शताब्दी में हुआ था। उनकी जयंती को रविदास जयंती के रूप में मनाया जाता है। मायावती ने कहा, "सभी लोगों को 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का अमर आध्यात्मिक संदेश देने वाले महान संत गुरु रविदास जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन करती हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करती हूं। देश–दुनिया में रहने वाले उनके समस्त अनुयायियों को अपनी और बसपा की तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं।

अडाणी ग्रुप के खिलाफ कांग्रेस ने लखनऊ में किया पैदल मार्च, कहा - खतरे में है देशवासियों की गाढ़ी कमाई

लखनऊ। हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप से जुड़े मामलों का जिक्र होने के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। केंद्र सरकार के सामने कांग्रेस पार्टी लगातार इसको लेकर आवाज बुलंद कर रही है। कांग्रेस ने इस मामले पर संयुक्त संसदीय समिति बनाकर जांच की मांग उठाई है। संसद में भी इसको लेकर हंगामाखेज हालात बन चुके हैं। इसी बीज आज राजधानी लखनऊ में यूपी कांग्रेस ने अडानी ग्रुप के खिलाफ पैदल मार्च किया। आज राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने बेगम हजरत महल पार्क से एसबीआई अफिस और एलआईसी अफिस तक पैदल मार्च निकालकर अडानी ग्रुप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने परिवर्तन चौराहे पर बैरिकेटिंग कर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को एलआईसी अफिस जाने से रोक दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रांतीय अध्यक्ष नकुल दुबे ने कहा कि आम आदमी की कमाई को सरकार एक बड़े पूंजीपति के हाथों में देने का काम कर रही है। हमारे देश के नौजवानों, किसानों और महिलाओं ने अपनी कमाई का जो पैसा एलआईसी और एसबीआई में निवेश किया था वो अब खतरे में है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी मांग है कि आम लोगों के पैसों को सुरक्षित किया जाए। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के ३ जजों से जांच कराई जाए और दोषी लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनता और विपक्षियों की बात हमेशा दबाने का काम करती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यमियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को फार्मा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, हित धारकों और उद्यमियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंन कहा, ''मैं आप सभी को आमंत्रित करता हूं कि आप उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएं। दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को यहां पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने बाबतपुर स्थित एक कलेज प्रांगण में 'फार्मा क्षेत्र में विकास के अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आने वाले समय में फार्मा का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरने जा रहा है। उन्होंन कहा कि इसके अलावा प्रदेश में फार्मा क्षेत्र के लिए पर्याप्तमानव संसाधन, बेहतर सड़क संपर्क, पर्याप्त भूमि कोष और सुरक्षित माहौल उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने फार्मा क्षेत्र के अनुसंधानकर्ताओं और छात्र–छात्राओं से गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि विगत नौ साल में फार्मा क्षेत्र में बहुत से नये कार्य हुए

हैं, यही कारण है कि आज भारत विश्व के फार्मा बाजार में बड़ी भूमिका में नजर आ रहा है। योगी ने कहा कि फार्मा क्षेत्र बहुत बड़ा है, गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए हम समयबद्ध तरीके से कार्य करेंगे, तो भारत के साथ–साथ दुनिया के बाजार पर हमारा कब्जा हो सकता है। हमें इस क्षेत्र में और प्रयास करने होंगे, जो नए अनुसंधान और पेटेंट हुए हैं उनमें भारत ने बेहतरीन कार्य किये हैं। हमें दस्तावेजीकरण, प्रकाशन, अनुसंधान की संभावनाओं और पेटेंट की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ३० करोड़ लोग उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर हैं। लखनऊ और पटना के बीच दवा के केवल दो बड़े बाजार वाराणसी और गोरखपुर में हैं। पटना तक दवा की आपूर्ति वाराणसी से और काठमांडू तक दवा की आपूर्ति गोरखपुर से होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। हमें अनुसंधान कार्य के साथ ही नये संस्थानों का भी निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत ने ठान लिया है तो दुनिया के मंच पर भारत की प्रतिभा अवश्य छाएगी।

अडाणी के मुद्दे की वजह से भारत की छवि दांव पर : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने रविवार को कहा कि अडाणी के मुद्दे की वजह से भारत की छवि दांव पर लगी है और हर कोई इसको लेकर चिंतित है, लेकिन सरकार इसे ''बहुत हल्के'' में ले रही है। उन्होंने कहा कि अडाणी मामले का भारतीय अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ेगा और दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार इस देश के लोगों को भरोसे में नहीं ले रही है। मायावती ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''रविदास जयंती पर अडाणी प्रकरण को कैसे भूला जा सकता है क्योंकि ये नई चिंता का कारण है। इस तरह के मामलों का हल ढूढ़ने के बजाय सरकार लोगों को नजरअंदाज कर नए वादे कर रही है। अडाणी मुद्दे की वजह से भारत की छवि दांव पर लगी है और हर कोई चिंतित है, लेकिन सरकार इस मुद्दे को बहुत हल्के में ले रही है।'' उन्होंने कहा, ''विश्व में अपनी रैंकिंग स्थापित करने वाले इस देश के एक कारोबारी की वजह से भारत का आर्थिक जगत निराश है और अवसाद में है। इसका इस देश की अर्थव्यवस्था और आम जीवन पर दीर्घकालीन असर पड़ने जा रहा है। अन्य मामलों की तरह ही अडाणी के मामले में सरकार इस देश के लोगों को सदन के माध्यम से भरोसे में नहीं ले रही। सरकार को लोगों के भरोसे के साथ नहीं खेलना चाहिए।''

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी 'शर्ट सेलर' और वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग ने करीब १० दिन पहले अडाणी समूह के खिलाफ कंपनी संचालन के मोर्चे पर गड़बड़ी के कई आरोप लगाए थे, जिसके बाद से अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है। अहमदाबाद स्थित अडाणी समूह ने सभी आरोपों का खंडन किया है और इसे भारत पर सुनियोजित हमला करार दिया है।

बढ़ सकती है स्वामी प्रसाद मौर्य की मुश्किलें

लखनऊ। यूपी की राजधानी में रामचरितमानस की प्रतियां फाड़ने और जलाने के मामले में लखनऊ पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए डीएम सूर्यपाल गंगवार के आदेश पर दोआरोपियों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की है। वहीं प्रतियां जलने के मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता स्वामी प्रसाद के साथ १० लोगों को आरोपी बनाया गया है। बता दें कि २६ जनवरी को भरातीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता सतनाम सिंह लवी ने वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद श्री रामचरितमानस की

प्रतियां फाड़ने और जलाने वालों के खिलाफ लखनऊ के पीजीआई थाने में तहरीर दी थी। इसके बाद पुलिस ने बड़ा कार्रवाई करते हुए सलीम हसन और सत्येंद्र कुशवाहा समेत कुल ५ लोगों को आरेस्ट किया था। इसके बाद गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जांच की गई। जिसके बाद अब सलीम और सत्येंद्र कुशवाहा के खिलाफ रासुका की कार्रवाई करते हुए एनएसए लगाया गया। वहीं, अन्य आरोपियों की भी भूमिका जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि इस मामले में स्वामी प्रसाद मौर्य की मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं।

अपराध पर होगी यूपी पुलिस की पैनी नजर, ड्रोन से करेगी निगरानी

लखनऊ। यूपी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रदेश के शहरों में सड़क परिवहन, समेत कई चीजों में बदलाव किये जा रहे हैं। साथ ही आने वाले मेहमानों की सुरक्षा में कोई चूक न हो इसको लेकर पुलिस विभाग भी अलर्ट मोड में है। एडीजी ल एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने पुलिसकर्मियों को हर तरह के आपराधिक व्यक्तियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। महत्वपूर्ण जगहों की ड्रोन से निगरानी भी की जाएगी। एडीजी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि समिट के दौरान सुरक्षा को लेकर एजेंसियां अलर्ट पर हैं। साथ ही महत्वपूर्ण स्थानों पर एटीएस की स्पेशल टीम को तैनात किया जाएगा। १० से १२ फरवरी को लखनऊ में प्रस्तावित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट –२०२३ को लेकर हर संदिग्ध पर नजर रखी जाएगी।

सरकारी नौकरी के नाम पर विधवा से ठगे पांच लाख रुपये

लखनऊ। मानकनगर कोतवाली में एक विधवा ने अपनी परिचित महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोप है कि जालसाज महिला ने पीड़िता के बेटे को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर उससे पांच लाख रुपये ठग लिए हैं। महिला की हकीकत सामने आने पर पीड़िता उससे अपना रुपया मांगा, तो आरोपी, पीड़िता व उसके बेटे को धमकी देने लगी। हालांकि पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मानकनगर कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत स्पीलर ग्राउंड निवासिनी लक्ष्मी के मुताबिक, गत वर्ष उनके पतिंष्ण गोपाल की मौत हो गई थी। उसके बाद से वह सभी जिम्मेदारियों का निर्वाहन कर रही है। बताया कि उनकी जान पहचान सुचित्रा मिश्रा उर्फ बबली मिश्रा से थी। पीड़िता का आरोप है कि सुचित्रा ने उनके बेटे को सरकारी नौकरी दिलवाने के नाम पर पांच लाख रुपये लिए थे। हालांकि पीड़िता ने देने से पहले एक स्टैंप पेपर पर लेन–देन का ब्यौरा दर्ज करवाया था। बावजूद इसके पीड़िता के बेटे को नौकरी नहीं मिली। तब पीड़िता ने उससे रुपये वापस मांगे लेकिन वह आनकानी करने लगी। पीड़िता का आरोप है कि सुचित्रा मिश्र ने उसके घर से स्टैंप पेपर भी चुरा लिया। जब पीड़िता को इस हरकत का पता चला तो वह विरोध करने लगी। इसके बाद जालसाज महिला पीड़िता व उसके बेटे को धमकी देने के साथ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल भी करने लगी। इस घटना के बाद पीड़िता ने मानकनगर कोतवाली में तहरीर देते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है। मानकनगर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने जालसाज महिला के खिलाफ धोखाधड़ी और एससी–एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। गहनता से जांच करने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी ।

प्रेमी की मौत से क्षुब्ध युवती ने 15 दिन बाद की खुदकुशी

लखनऊ ।अलीगंज कोतवाली क्षेत्र के त्रिवेणी नगर में प्रेमी की मौत से क्षुब्ध युवती ने रविवार तड़के अपने घर के बरामदे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को जब्त किया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। अलीगंज कोतवाली प्रभारी नागेश उपाध्याय ने बताया कि

त्रिवेणी नगर के शिवलोक कलोनी में रहने वाली लीला देवी की बेटी दीक्षा (२५) अमीनाबाद में प्राइवेट फर्म में नौकरी करती है। इसी फर्म में काम करने वाले एक युवक से उसका प्रेम प्रसंग था। पर परिजन रिश्ते के खिलाफ में थे। इसी के चलते परिजनों ने दीक्षा की शादी एक अन्य युवक से तय कर दी थी। इसकी जानकारी मिलने पर दीक्षा के प्रेमी ने १५ दिन पूर्व ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका की मां लीला देवी ने बताया कि प्रेमी की मौत के बाद से दीक्षा अवसाद में थी। शुरुआत में उसने नौकरी पर जाना भी छोड़ दिया था। पर कुछ दिन पूर्व ही उसने फिर से नौकरी ज्वाइन की। शनिवार शाम भी वह नौकरी से लौटी तो रो रही थी। रात में खाना खाने के बाद सभी अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। सुबह पूजा के कमरे के बगल स्थित बरामदे में दीक्षा का दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकता शव बरामद हुआ।

प्रेमी की पत्नी समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

लखनऊ। सआदतगंज कोतवाली क्षेत्र में एक युवती ने अपने प्रेमी की पत्नी समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। महिला ने अपने परिजनों की मौजूदगी में उसकी पिटाई कर और सार्वजनिक तौर पर अपमानित भी किया था। किसी तरह वहां से बचकर निकली प्रेमिका ने ठाकुरगंज कोतवाली में शिकायत की थी। ठाकुरगंज कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली युवती ने बताया कि गत ६ जनवरी की शाम करीब चार बजे सआदतगंज रामनगर मोहल्ला निवासिनी प्रिया ने कल कर उसे घर बुलाया था। जब वह उससे मिलने पहुंची तब प्रिया अपने पिता रामजी और मां के साथ उससे नोंकझोंक करने लगी। प्रिया उसे अपने पति से दूर रहने के लिए हिदायत देते हुए गालियां देने लगी। जब युवती ने विरोध किया तब प्रिया ने परिजनों के संग मिलकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। किसी तरह वहां से बचकर निकली युवती ने ठाकुरगंज कोतवाली में तहरीर देते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई। युवती का कहना है कि प्रिया के पति विजय कश्यप से उसकी गहरी दोस्ती थी, लेकिन कुछ महीने पहले उसने विजय से दूरी बना ली थी। बावजूद इसके प्रिया उस पर शक करती थी। आरोप है कि मारपीट के दौरान लोग उसका वीडियो बनाते रहे। मगर किसी ने भी उसे बचाने की जहमत नहीं उठाई। सआदतगंज थाना प्रभारी सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि यह मामला विवाहेत्तर संबंध से जुड़ा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जी २० रोजगार कार्यबल की बैठक के प्रतिनिधियों ने हस्तशिल्प, कांस्य उत्पादों में दिलचस्पी दिखायी

नई दिल्ली। जी २० रोजगार कार्यबल की बैठक में हिस्सा ले रहे प्रतिनिधियों ने यहां एक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये गये हस्तशिल्प, कांस्य एवं अन्य उत्पादों में दिलचस्पी दिखायी। कंसारा मेटेलेक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजेश कंसारा ने कहा, '' प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया अच्छी थी। उन्होंने बर्तनों, घंटियों और अन्य चीजों में दिलचस्पी दिखायी। प्रदर्शनी में कांस्य उत्पादों के आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य फायदों को प्रमुखता से दर्शाया गया है।'' कांस्य सजावटी उत्पादों ने भी प्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट किया। बाजरा खेती और बाजारा उत्पादों की प्रक्रिया

भी प्रदर्शनी में दिखायी गयी है। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के जिला परियोजना प्रबंधक तेज सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में चामुंडा माता स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाये गये कुकीज एवं लड्डू भी दिखाये गये हैं। भारत ने १६ देशों, यूरोपीय संघ और नौ अतिथि देशों एवं नौ क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों की मेजबानी की। जी २० दुनिया के बड़े विकसित एवं विकासदेशा देशों का अंतर– सरकारी मंच है। जी २० में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

पत्नी और दो बच्चों की हत्या के बाद व्यक्ति ने खुदकुशी की

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के गोला थाना क्षेत्र के देवकली गांव में एक व्यक्ति ने पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रविवार की सुबह देवकली स्थित पीड़ित परिवार के घर से धुआं निकलते देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस को घर के अंदर दो बच्चों समेत चार शव मिले। गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर और जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश भी मौके पर पहुंच गये। पुलिस के अनुसार मौके पर एक आंशिक रूप से जला हुआ पुरुष का शव तथा एक महिला और दो बच्चों के शव बरामद किये गये, महिला और बच्चों के शरीर पर

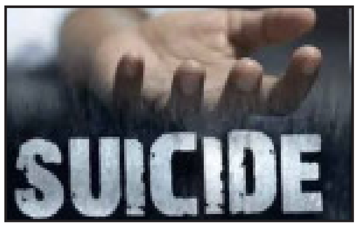

गर्दन तथा पेट पर धारदार हथियार के निशान थे। उन्होंने बताया कि मरने वालों की पहचान इंद्र कुमार मौर्य (४२), उसकी पत्नी सुशीला (३८), बेटी चांदनी (१०) और बेटे आर्यन (आठ) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मौर्य पर कर्ज का बोझ था और वह शराब पीने तथा जुआ खेलने का आदी था। ग्रोवर ने बताया कि मौके पर फॉरेंसिक टीम ने बारीकी से निरीक्षण किया और इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि इंद्र कुमार ने पहले अपनी पत्नी और बच्चों को मार डाला और फिर बाद में खुद आग लगा ली। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जमीन दिलाने का झांसा देकर दंपति ने ठगे 17 लाख

लखनऊ। बीबीडी कोतवाली में एक युवक ने जालसाज दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि जालसाज दंपति ने जमीन दिलाने के बहाने युवक से १७ लाख रुपये ठग लिए थे। जब पीड़ित दंपति से अपना रुपया मांगने पहुंचा तो आरोपियों ने उससे अभद्रता की। मूलरूप से बहराइच जनपद के परसेडी निवासी शिवकुमार वर्मा सपरिवार संजय गांधीपुरम में रहते हैं। उनकी जान–पहचान लल्लीपुरवा गांव निवासी वीरेंद्र यादव से थी। पीड़ित ने बताया कि जालसाज ने २० लाख रुपये में एक जमीन दिलाने का आश्वासन दिया था। बातों में फंसकर पीड़ित ने उसे रुपये दिए थे। बावजूद इसके पीड़ित को जमीन नहीं मिली। इसके बाद पीड़ित ने उससे रुपये वापस मांगे तो दो किस्तों में जालसाज ने उसे तीन लाख रुपये वापस किए थे। शेष रुपया बाद में देने की बात कही थी। पीड़ित का आरोप है कि करीब एक साल से जालसाज रुपये लौटने में आनाकानी कर रहा है। जब पीड़ित रुपये लेने जालसाज के घर पर पहुंचा तो आरोपी पत्नी के संग मिलकर उसे धमकी देने लगा। इसके बाद पीड़ित ने जालसाज दंपति के खिलाफ बीबीडी कोतवाली में मुकदमा लिखवाया है। थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। गहनता से जांच कर विविध कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा के घोषणापत्र में वादों को देखकर चिंतित हुआ मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

लखनऊ। देश में राष्ट्रीय स्तर पर समान नागरिक संहिता लाये जाने की बढ़ती मांग के बीच ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सरकार से मांग की है कि वह इस दिशा में बढ़ने का इरादा पूरी तरह छोड़ दे। हम आपको बता दें कि एक ओर जहां कुछ भाजपा शासित राज्य समान नागरिक संहिता के संबंध में आयोग का गठन कर उसे इस संबंध में अपनी सिफारिशें देने को कह चुके हैं तो वहीं पिछले सप्ताह केंद्र सरकार ने संसद को बताया था कि २२वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता से संबंधित मामले पर विचार कर सकता है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में हालांकि यह भी बताया था कि समान नागरिक संहिता लागू करने पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हम आपको बता दें कि समान नागरिक संहिता भारतीय जनता पार्टी का एक प्रमुख चुनावी मुद्दा रहा है। भाजपा पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान अपने चुनावी घोषणापत्र में किये गये कई प्रमुख वादों मसलन– अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, जम्मू–कश्मीर से ३७० हटाने जैसे वादे पूरे कर चुकी है इसलिए माना जा रहा है कि २०२४ के लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा सीएए के नियम बना सकती है, समान नागरिक संहिता और जनसंख्या नियंत्रण कानून ला सकती है। इस बारे में तमाम तरह की अटकलें और अफवाहें भी चल रही हैं जिसको देखते हुए यह मुद्दे इस बार ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में छाये रहे। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई बैठक के दौरान लॉ बोर्ड ने मुसलमानों से पूरी तरह शरिअत पर अमल करने की अपील भी की। बोर्ड ने मोदी सरकार से समान नागरिक संहिता का इरादा छोड़ने का अनुरोध करते हुए कहा है कि देश के संविधान में हर व्यक्ति को अपने धर्म पर अमल करने की आजादी है। हम आपको बता दें कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी की अध्यक्षता में नदवतुल उलेमा लखनऊ में बोर्ड की कार्यकारिणी की रविवार को बैठक हुई। इस बैठक में प्रस्ताव पारित कर मुसलमानों से यह आह्वान किया गया। बैठक के बाद बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफ उल्लाह रहमानी की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'बोर्ड की बैठक मुसलमानों को यह याद दिलाती है कि मुसलमान का मतलब अपने आपको अल्लाह के हवाले करना है, इसलिए हमें पूरी तरह शरीअत पर अमल करना है।' बोर्ड ने अपने प्रस्ताव में यह भी कहा, ''देश के संविधान में बुनियादी अधिकारों में हर व्यक्ति को अपने धर्म पर अमल करने की आजादी दी गयी है, इसमें पर्सनल लॉ शामिल है। इसलिए हुकूमत से अपील है कि वह आम नागरिकों की मजहबी आजादी का भी एहतराम करे, क्योंकि समान नागरिक संहिता लागू करना अलोकतांत्रिक होगा।'' उन्होंने सरकार से इस इरादे को छोड़ने की अपील की है। धर्मांतरण को लेकर बनाए गए विभिन्न राज्यों के कानूनों पर क्षोभ प्रकट करते हुए बोर्ड ने यह भी प्रस्ताव पारित किया है कि 'धर्म का संबंध उसके यकीन से है, इसलिए किसी भी

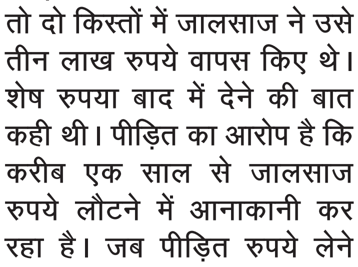

धर्म को अपनाने का अधिकार एक बुनियादी अधिकार है। बोर्ड ने बताया कि इसी बिना पर हमारे संविधान में इस अधिकार को स्वीकार्य किया गया है और हर नागरिक को किसी भी धर्म को अपनाने तथा धर्म का प्रचार करने की पूरी आजादी दी गयी है, लेकिन वर्तमान में कुछ प्रदेशों में ऐसे कानून लाए गए हैं, जो नागरिकों को इस अधिकार से वंचित करने की कोशिश है जो कि निंदनीय है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम–२०२१ के अनुसार राज्य में गैर कानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन कराने या पहचान छिपाकर शादी करने के मामले में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने यह भी प्रस्ताव पारित किया कि इबादतगाहों से संबंधित १९९१ का कानून खुद हुकूमत का बनाया हुआ कानून है, जिसे संसद ने पारित किया है इसलिए उसको कायम रखना सरकार का कर्तव्य है और इसमें देश का फायदा भी है। बोर्ड के महासचिव रहमानी ने १९९१ के कानून की याद दिलाते हुए बताया कि यह 'उपासना स्थल अधिनियम–१९९१' को बरकरार रखने के लिए बोर्ड पैरवी कर रहा है। हम आपको बता दें कि वाराणसी में ज्ञानवापी और गौरी श्रृंगार विवाद तथा मथुरा में श्रीकृष्ण जन्म भूमि और शाही ईदगाह जैसे कुछ मामले हाल में सामने आये हैं जिनमें इस अधिनियम का हवाला दिया गया। यह अधिनियम कहता है कि १५ अगस्त १९४७ से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के उपासना स्थल को, किसी दूसरे धर्म के उपासना स्थल में नहीं बदला जा सकता और यदि कोई इसका उल्लंघन करने का प्रयास करता है तो उसे जुर्माना और तीन साल तक की जेल भी हो सकती है। यह कानून तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व वाली सरकार १९९१ में लेकर आई थी, यह कानून तब आया जब बाबरी मस्जिद और अयोध्या का मुद्दा बेहद गर्म था। बोर्ड की बैठक में मुसलमानों से अधिक से अधिक संख्या में अपने शैक्षिक संस्थान कायम करने तथा आधुनिक शिक्षा के साथ–साथ सभ्यता और संस्रेति की सुरक्षा को भी यकीनी बनाने की दिशा में काम करने की अपील की गयी है। बोर्ड ने अपने प्रस्ताव के जरिये औरतों के साथ इंसाफ, बुजुर्गों के साथ अच्छा व्यवहार, शादी में फिजूलखर्ची से परहेज, अपने मामलों को धार्मिक रहनुमाओं से हल कराने की कोशिश, गलत कार्यों से दूरी बनाए रखना, निकाह के बगैर औरत–मर्द को जिस्मानी संबंध से दूर रहने के लिये कहा है। बोर्ड ने मुसलमानों से यह भी अपील की कि बोर्ड के बनाए हुए निकाहनामे का प्रयोग करें। बोर्ड की बैठक में असम सरकार द्वारा बाल विवाह के खिलाफ शुरू किये गये अभियान की भी निंदा की गयी, बोर्ड ने इसकी निंदा करते हुए मामले का पुरजोर विरोध करने का भी फैसला किया। हम आपको बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने शनिवार को कहा था कि राज्य पुलिस द्वारा पिछले दिन से शुरू किया गया बाल विवाह के खिलाफ अभियान २०२६ में अगले विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा। बोर्ड की बैठक में आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी तथा मौलाना महमूद मदनी के अलावा कार्यकारिणी के अन्य सदस्य भी शामिल हुये।

श्रम के प्रति सम्मान की भावना नहीं होना, बेरोजगारी के मुख्य कारणों में से एक है: भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि श्रम के प्रति सम्मान की भावना की कमी देश में बेरोजगारी के मुख्य कारणों में से एक है। भागवत ने लोगों से सभी तरह के काम का सम्मान करने एवं नौकरियों के पीछे भागना बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी काम को छोटा या बड़ा नहीं कहा जा सकता। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, ''लोग चाहें किसी भी तरह का काम करें, उसका सम्मान किया जाना चाहिए। श्रम के लिए सम्मान की कमी समाज में बेरोजगारी के प्रमुख कारणों में से एक है। काम के लिए चाहे शारीरिक श्रम की आवश्यकता हो या बुद्धि की, चाहे इसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता हो या 'सॉफ्ट' कौशल की – सभी का सम्मान किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हर कोई नौकरी के पीछे भागता है। सरकारी नौकरियां केवल करीब १० प्रतिशत हैं, जबकि अन्य नौकरियां लगभग २० प्रतिशत हैं। दुनिया का कोई भी समाज ३० प्रतिशत से अधिक नौकरियां उत्पन्न नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा कि जिस काम में शारीरिक श्रम की जरूरत होती है, उसे अब भी सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता है।

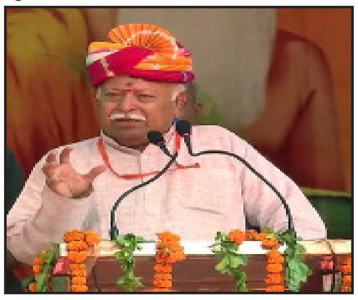

भागवत ने कहा कि जब कोई जीविकोपार्जन करता है, तो समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि जब हर काम समाज के लिए हो रहा है तो वह छोटा या बड़ा अथवा एक–दूसरे से अलग कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की दृष्टि में हर कोई समान है और उसके सामने कोई जाति या सम्प्रदाय नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे बहुत से किसान हैं जो खेती से बहुत अच्छी आय अर्जित करने के बावजूद विवाह करने के लिए संघर्षरत हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में स्थिति देश के 'विश्वगुरु' बनने के अनुकूल है। उन्होंने कहा कि देश में कौशल की कोई कमी नहीं है, लेकिन हम दुनिया में प्रमुखता हासिल करने के बाद अन्य देशों की तरह नहीं होंगे। संघ प्रमुख ने कहा, ''इस्लामी आक्रमण से पूर्व अन्य हमलावरों ने हमारी जीवनशैली, हमारी परंपराओं एवं चिंतन प्रक्रिया को प्रभावित नहीं किया। लेकिन उनका (मुस्लिम हमलावरों का) एक तर्क थारू पहले, उन्होंने हमें अपनी ताकत के दम पर पराजित किया और फिर उन्होंने हमें मनोवैज्ञानिक ष्टि से दबाया।'' उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त अस्पृश्यता का संतों और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जैसे जानेमान लोगों ने विरोध किया। आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''अस्पृश्यता से परेशान होकर, डॉ. आंबेडकर ने हिंदू धर्म छोड़ दिया लेकिन उन्होंने किसी अन्य धर्म को नहीं अपनाया और गौतम बुद्ध द्वारा दिखाए गए मार्ग को चुना। उनकी शिक्षाएं भारत की सोच में भी बहुत गहराई तक समाई हुई हैं।

एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री का उद्घाटन, १० हजार को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुमकुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेडकी हेलीकॉप्टर फैक्ट्री राष्ट्र को समर्पित की और विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आध्यात्म, ज्ञान–विज्ञान की महान भारतीय परंपरा को कर्नाटक ने सशक्त किया है। इसमें भी तुमकुरु का विशेष स्थान है। सिद्धगंगा मठ की इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। संतों के आशीर्वाद से आज कर्नाटक के युवाओं को रोजगार देने वाले, ग्रामीणों और महिलाओं को सुविधा देने वाले, देश की सेना और मेड इन इंडिया को ताकत देने वाले, सैकड़ों करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। २०१४ से पहले के १५ सालों में जितना निवेश एयरोस्पेस सेक्टर में हुआ उसका ५ गुना पिछले ८–६ वर्षों में हो चुका है। आज हम अपनी सेना को मेड इन इंडिया हथियार तो दे ही रहे हैं बल्कि हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट २०१४ की तुलना में कई गुना ज्यादा हो गया। पीएम मोदी ने कहा कि यही एचएएल है जिसे बहाना बनाकर हमारी सरकार पर तरह तरह के झूठे आरोप लगाए गए...आज एचएएल की ये हेलीकॉप्टर फैक्ट्री, एचएएल की बढ़ती ताकत बहुत से पुराने झूठों और झूठे आरोप लगाने वालों का पर्दाफाश कर रही है। ये सर्वप्रिय बजट है। सर्वहितकारी बजट है। सर्वसमावेशी बजट है। सर्व–स्पर्शी बजट है। ये भारत के युवा को रोजगार के नए अवसर देने वाला बजट है। ये भारत की नारीशक्ति की भागीदारी बढ़ाने वाला बजट है। डबल इंजन सरकार भौतिक

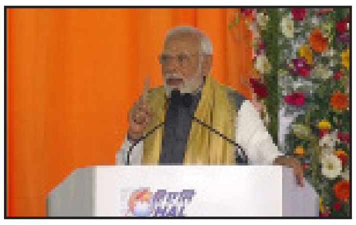

और सामाजिक बुनियादी ढांचे पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है। पिछले साढ़े तीन वर्षों में देश में नल के पानी का कवरेज ३ करोड़ से बढ़कर ११ करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पहुंच गया है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में इस वर्ष का बजट अहम भूमिका निभाएगा। गांव में रहने वाले लोग, युवा, महिलाएं, दलित और आदिवासी, ये बजट सबके लिए है। यह बजट आपकी जरूरतों, सरकार से मिलने वाली सहायता और लोगों की आमदनी का संतुलित मेल है। हमने समाज के हर तबके को सरकारी सहायता भी सुनिश्चित की है जो पहले इससे वंचित था।

'मोदी आलोचक निराशावादी तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहे': प्रकाश जावडेकर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता प्रकाश जावडेकर ने केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) सहित गैर–भाजपा शासित राज्यों के साथ बजट आवंटन में भेदभाव के आरोपों का रविवार को खंडन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचक 'निराशावादी तस्वीर पेश करने की कोशिश' कर रहे हैं। जावडेकर ने कहा कि देश ने सभी प्रमुख क्षेत्रों में 'उल्लेखनीय प्रगति' की है, इसके बावजूद कांग्रेस और वामपंथी 'भारत को हारा हुआ प्रस्तुत करने की कोशिश में जुटे हैं।' मातृभूमि इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ लेटर्स (एमबी आई एफएल–२०२३) को संबोधित करते हुए जावडेकर ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के आलोचक भारत के लोकतंत्र और संघवाद का गलत विवरण पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जो झूठ के प्रसार में संलिप्त हैं उन्हें याद रखना चाहिए कि झूठ की उम्र लंबी नहीं होती। आप एक बार, दो बार या तीन बार झूठ बोल सकते हैं लेकिन झूठ की उम्र नहीं होती।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत

गतिशील लोकतंत्र है और सभी मूलभूत प्रणाली मजबूत और सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, ''हम सभी की समृद्धि में विश्वास करते हैं। हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं और सम्मान करते हैं। नागरिकों में धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होता...यद्यपि भाजपा के २०१४ में सत्ता में आने के बाद देश ने अर्थव्यवस्था सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति की है, इसके बावजूद कांग्रेस और वामपंथी भारत को हारा हुआ प्रस्तुत करने की कोशिश में जुटे हैं।'' जावडेकर ने कहा कि भारत २०१४ में १०वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, जो अब दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। उन्होंने कहा, ''संघवाद गंभीर दबाव में आने और गैर–भाजपा शासित राज्यों के लिए बजटीय आवंटन में भेदभाव करने के आरोपों का कोई आधार नहीं है।'' जावडेकर ने कहा, ''मोदी–आलोचक निराशावदी तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वे वर्ष २०२४ (लोकसभा चुनाव) के बाद क्या करेंगे। कुछ तो प्रधानमंत्री पद को केवल एक कार्यकाल का बनाने के लिए संविधान में संशोधन तक का सुझाव दे रहे हैं।

अपने ही पैसे के लिए करनी पड़ी 74 मिनट पैरोकारी

कानपुर। गत शनिवार को स्वतंत्रता सेनानी के एसी कूपे से यूएसए के नागरिक फेरेडून नैवी की चोरी हुई रकम की वापसी कराने के लिए जीआरपी ने अदालत के समक्ष ७४ मिनट की दलील पेश की। पीड़ित ने लखनऊ से पुणे फ्लाइट और देश में वीजा अवधि का हवाला दिया। इसके बाद अदालत ने विदेशी नागरिक का बरामद हुआ १६६० डालर और पासवान और उसके एक तीसरे साथी ने मिलकर पार कर दिया था। बैग में १५००० रुपये, १६६० डालर थे। कंट्रोल की सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ ने कानपुर सेंट्रल पर ट्रेन के आने पर घेराबंदी की। इसके बाद दो अटेडेंट को पकड़ कर उनके पास से १६६० डालर और ६५०० भारतीय मुद्रा बरामद कर ली थी। जीआरपी ने अदालत में आरोपियों को पेश

किया तो दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। अदालत ने शनिवार की शाम लगभग सवा छह बजे मुकदमा माल वापसी का प्रार्थनापत्र दिया। अदालत ने साक्ष्य मांगें तो जीआरपी प्रभारी आरके द्विवेदी ने प्रमाण और तर्क दिए। बहस के बाद अदालत ने ७४ मिनट बाद माल मुकदमा वापसी का आर्डर जारी कर दिया। ६५०० रुपये पीड़ित की वापसी का आदेश जारी किया। जीआरपी ने आईआरसीटीसी को दो कोच अटेडेंट की गिरफ्तारी की रिपोर्ट भेजी तो दोनों को निलंबित कर दिया गया है। मुजफ्फरपुर से कानपुर आने के लिए रिटायर इंजीनियर और विदेशी नागरिक फेरेडून नैवी का रास्ते में बैग कोच के अटेडेंट इंदिरा कालोनी, दरभंगा बिहार निवासी जीदान और मधुबनी बिहार निवासी कृष्णा जीआरपी ने विदेशी नागरिक को कैब से उसे लखनऊ भिजवाया तो टिकट गुम होने की वजह से विदेशी नागरिक ने पत्नी को यूएसए फोन किया। पत्नी ने रविवार की सुबह लखनऊ से पुणे की फ्लाइट बुक करा टिकट को वाट्सएप पर भेज दिया।

नोएडा के कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगी, कोई हताहत नहीं

नोएडा। फेज–वन थाना क्षेत्र के सेक्टर चार स्थित एक कोचिंग सेंटर में रविवार शाम भीषण आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में फंसे कुछ लोगों को दमकल कर्मियों ने सकुशल बाहर निकाल लिया। मुख्य दमकल अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे सेक्टर चार स्थित एक कोचिंग सेंटर में आग लग गई। चौबे ने बताया कि कोचिंग सेंटर चार मंजिला है और आग इसके भूतल पर लगी। लकड़ी के फर्नीचर में आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। घटना की सूचना पाकर दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सीएफओ ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि रविवार को कोचिंग सेंटर में छुट्टी होने के कारण वहां बच्चे पढ़ने के लिए नहीं आए थे। अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर के प्रथम तल पर तीन लोग काम कर रहे थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने आशंका जताई कि आग संभवतरू शर्ट सर्किट के चलते लगी।

हिमाचल में बर्फबारी की वजह से करीब १५० सड़कें बंद

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में हाल में हुई बर्फबारी के बाद तीन राष्ट्रीय राजमार्गो समेत तकरीबन १५० सड़कों को बंद कर दिया गया है। यह जानकारी राज्य आपात अभियान केंद्र ने यहां दी। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यहां बताया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों और लाहौल–स्पीति के जनजातीय क्षेत्रों में फिर से मध्यम स्तर की बर्फबारी हुई, जबकि कांगड़ा, शिमला, चंबा और कुल्लू जिलों के कई इलाकों में रुक–रुक कर हल्की बारिश हुई। खोकसार में ३.४ सेंटीमीटर (सेमी) बर्फबारी हुई। इसके बाद कुकुमसेरी और केलांग में क्रमशरू १.७ सेमी और एक सेमी हिमपात हुआ। आपात केंद्र ने बताया कि लाहौल–स्पीति में सबसे ज्यादा १३० सड़कों को गाड़ियों की आवाजाही के लिए बंद किया गया, जबकि चंबा में नौ, कुल्लू में पांच, कांगड़ा और शिमला में दो–दो सड़कें बंद की गई हैं। उसके मुताबिक, २०० ट्रांसफॉर्मर और आठ जलापूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई

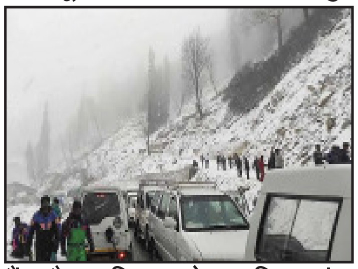

हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, चंबा के भारमौर में १२.३ मिमी बारिश हुई है, जिसके बाद सलूनी में ८.४ मिमी, बंजर में तीन मिमी, पंडोह में १.५ सेमी, पालमपुर में एक मिमी और भुंटर और शिमला में ०.५–०.५ मिमी बारिश दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। केलांग में पारा शून्य से ६.५ डिग्री सेल्सियस नीचे रिकर्ड किया गया है, जो रात में क्षेत्र का सबसे सर्द इलाका रहा। कुकुमसेरी में तापमान शून्य से ३.६ डिग्री सेल्सियस कम रहा, जबकि केलांग में शून्य से एक डिग्री कम पारा दर्ज किया गया। वहीं, प्रमुख पर्यटन स्थलों नारकंडा, डलहौजी, कुफरी, शिमला और मनाली में न्यूनतम तापमान क्रमशरू ०.३ डिग्री, २.६ डिग्री, ३.१ डिग्री, ४.४ डिग्री और पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। स्थानीय मौसम केंद्र ने सोमवार और बृहस्पतिवार को मध्य और अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ों पर हल्की बर्फबारी और बारिश की संभावना जताई है, जबकि ११ फरवरी तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

अदालत ने परेश रावल के खिलाफ FIR रद्द की

नई दिल्ली। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के सचिव मोहम्मद सलीम द्वारा अभिनेता परेश रावल के खिलाफ दर्ज कराई गई एक प्राथमिकी सोमवार को रद्द कर दी। उक्त प्राथमिकी में दावा किया गया था कि पद्मश्री से सम्मानित रावल ने बंगाली समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध करते हुए उसके समक्ष याचिका दायर करने वाले रावल पहले ही स्पष्टीकरण दे चुके हैं और संबंधित टिप्पणी पर माफी मांग चुके हैं। न्यायमूर्ति राजशेखर

मंथा ने मामले के सभी पहलुओं पर विचार करते हुए प्राथमिकी रद्द कर दी और कहा कि कार्यवाही को आगे जारी रखना वांछनीय नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद रावल ने अपनी याचिका में कहा था कि पिछले साल गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान २६ नवंबर को गुजराती में दिए उनके भाषण की गलत व्याख्या की गई और राजनीतिक प्रतिशोध के लिए इसका गलत अनुवाद किया गया। रावल ने कहा कि उन्होंने अपने बयान पर स्पष्टीकरण दिया है और दो दिसंबर को माफी मांगी, उसी तारीख को सलीम ने कोलकाता के तलतला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

वर्ष 2017 में भाजपा से गठबंधन पर हमें नुकसान हुआ : नीतीश

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कहा कि डेढ़ दशक पहले भाजपा के साथ उनका गठबंधन, जो पिछले साल अचानक समाप्त हो गया, उनकी पार्टी जनता दल–यूनाइटेड (जदयू) के लिए हानिकारक था। बांका जिले में अपनी समाधान यात्रा के क्रम में मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान जदयू के असंतुष्ट नेता और संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के अलग से पार्टी के कार्यकर्ताओं की १६ और २० फरवरी को पटना में बैठक बुलाये जाने के बारे में पूछे जाने पर पार्टी के शीर्ष नेता नीतीश ने दो–टूक लहजे में जवाब दिया। नीतीश ने कहा, ''अगर आप पूछ रहे हैं तो मुझे बताना पड़ेगा कि उस आदमी को हमने कितना बढ़ाया, विधायक बना दिए। हम लोगों ने अपनी तरफ से उन्हें पार्टी का नेता बनाया। लेकिन इसके बाद भाग गए, फिर आ गये। सांसद बनना था तो उनको राज्यसभा का सदस्य भी बना दिए। फिर भाग गये। तीसरा बार आ गये और कहा कि हम हर हालत में रहेंगे, लेकिन आजकल क्या बोल रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या कुशवाहा भाजपा के इशारे पर ऐसा कर रहे हैं। इस पर जदयू के शीर्ष नेता ने कहा, जब किसी का प्रचार होता है तो आप समझ जाइए कहां से प्रचार हो रहा है। आप समझ जाइए कौन मौका दे रहा है।'' कुशवाहा के जदयू छोड़ने की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर नीतीश ने कहा, जाने दिजिये। इससे पार्टी का कुछ भी नुकसान नहीं होने वाला है। चिंता मत करिये। उन्होंने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा, हमारी पार्टी को एक बार किसी ने नुकसान किया जिसके साथ हम वर्ष २०१७ में दोबारा साथ आए थे। लेकिन वर्ष २०१६ के लोकसभा चुनाव के बाद जब हम लोगों ने कहा कि हमारे लोगों को तीन–चार सीट मंत्रिमंडल में दीजिएगा, इस पर उन्होंने कहा कि हमने तो कहा नहीं। विधानसभा चुनाव में भी हम लोगों के उम्मीदवारों के खिलाफ अभियान चलता रहा, लेकिन हम लोगों ने उनका समर्थन किया।'' नीतीश ने कुशवाहा की ओर इशारा करते हुए कहा, कल होकर देख लीजिएगा पता चल जाएगा। अगर कोई आता है और फिर जाता है, तो जाए। इसके बाद हम लोगों को कोई मतलब नहीं है। रहिएगा और काम कीजिएगा तो ठीक है, लेकिन आप रोज बोलिएगा तो इसका मतलब साफ है कि कहीं और का विचार हो गया है। जदयू नेता कुशवाहा उस समय से नाराज चल रहे हैं, जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें अपना दूसरा उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलों को खारिज कर दिया था। कुशवाहा ने दो साल से कम समय पहले अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जदयू में विलय कर लिया था। कुशवाहा ने हाल ही में राजद पर सत्ता के विकेंद्रीकरण के समाजवादी आदर्श से भटकने और एक परिवार के भीतर सभी अधिकार केंद्रित करने का आरोप लगाया था। कुशवाहा रविवार को पार्टी के सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार के खिलाफ विद्रोह पर उतर आए और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को एक खुला पत्र जारी कर राजद के साथ 'एक खास समझौते' पर उन्हें विमर्श के लिए आमंत्रित किया। समझा जाता है कि इस समझौते से पार्टी को खतरा है।

आवंटियों का एलडीए के खिलाफ फूटा गुस्सा, जलाया पुतला

लखनऊ। अपार्टमेंट में मूलभूत सुविधाएं न मिलने के कारण आवंटियों का गुस्सा फूट पड़ा। लखनऊ विकास प्राधिकरण (लविप्रा) पर वादा खिलाफी का आरोप लगा बच्चे, बूढ़े व महिलाओं ने प्रदर्शन कर पुतला जलाया। जिला प्रशासन व लविप्रा के अधिकारी न पहुंचने पर नारेबाजी की। पुलिस व पीएसी ने जाकर आवंटियों को शांत कराया। रविवार को गुडंबा थाना क्षेत्र के कुर्सी रोड स्थित सरगम, सृष्टि व स्मृति अपार्टमेंट के आवंटियों ने एकजुट होकर लखनऊ विकास प्राधिकरण के खिलाफ मोर्चा खोला। इसमें पारिजात अपार्टमेंट के आवंटी भी शामिल हुए। लाखों रुपये के फ्लैट खरीदने के बाद मूलभूत सुविधाएं न मिलना व शिकायत के बाद समाधान न करने का आरोप लगा प्रदर्शन किया। महिलाओं, बुजुर्ग व बच्चों ने नारेबाजी की। बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर विरोध किया। एक घंटे से अधिक प्रदर्शन चला। फिर भी जिला प्रशासन व लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी नहीं पहुंचे। इधर, इंटरनेट मीडिया से जानकारी होने पर गुडंबा चौकी इंचार्ज संतोष कुमार फोर्स के साथ पहुंचे। बाद में दो कंपनी पीएसी पहुंची। फिर भी आवंटी शांत नहीं हुए। काफी समझाने पर आवंटियों ने चौकी इंचार्ज के आश्वान पर प्रदर्शन खत्म किया और सोमवार को उपाध्यक्ष को ज्ञापन देने की बात कही। इस दौरान पारिजात वेयलफेयर सोसाइटी के सचिव समर विजय सिंह, सृष्टि अपार्टमेंट की रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य विवेक शर्मा व आवंटी हेमंत गिरी, एससी पांडे, बोनल कालिंदी रस्तोगी, रुचि पांडे, कुमकुम

त्रिपाठी, तनु पराशर, दिव्या मेहरोत्रा, दिव्या गोस्वामी रहे।..ये रहीं मुख्य समस्याएं – पारिजात में फायर एनओसी व पार्किंग न होना– लाखों के टेंडर जारी कर काम न कराना – सभी अपार्टमेंट की रोजाना लिफ्ट खराब होना – साफ–सफाई न होना, जगह–जगह कूड़े के ढेर – लीकेज पाइप लाइन से जलभराव, दरारे पड़ना– आयेदिन बच्चों व बड़ों को आवारा कुत्ते काटना– कमरों में जगह–जगह सीलन, छत से रिसाव – छतों पर गर्म पानी वाले सोलर पैनल खराब होना – बिजली की मेन लाइन न होना, बदहाल पार्क– मीटर के लिए अतिरिक्त रुपये लेना।

मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद का बिजली कनेक्शन कटा

मथुरा। मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद की बिजली आपूर्ति ५ फरवरी को अवैध बिजली कनेक्शन होने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के साथ काट दी गई। शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के सचिव तनवीर अहमद से जुर्माना भी वसूला गया। यहां सरकार द्वारा जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, राज्य में अवैध बिजली खपत के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है।

बयान के मुताबिक, मथुरा जिला पुलिस और बिजली विभाग की संयुक्त टीम ने कनेक्शन काटा था। इस मामले में कृष्णा नगर थाने में विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १३५ के तहत प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। बयान के मुताबिक श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। शाही ईदगाह मस्जिद का श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के साथ मस्जिद की संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई चल रही है। मई २०२२ में मथुरा की अदालत ने मस्जिद को हटाने की याचिका पर सुनवाई की अनुमति दी थी कि यह मस्जिद केशव देव मंदिर से संबंधित भूमि पर बनाई गई थी। बता दें कि शाही ईदगाह मस्जिद मंदिर के बिल्कुल पास में स्थित है। दोनों ही स्थानों पर भारी संख्या में फोर्स तैनात रहती है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग विपिन गंगवार ने बताया कि हमें शाही ईदगाह मस्जिद के लिए श्री ष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट की ओर से एक शिकायत मिली थी। इस पर जब टीम निरीक्षण के लिए पहुंची तो पाया कि वहां कोई वैध बिजली कनेक्शन नहीं था। वे बिजली चोरी कर रहे थे।

कानपुर इन्वेस्टर्स समिट में १७ हजार करोड़ के १६४ निवेश प्रस्ताव

कानपुर। जनपद को देहात से ग्रेटर कानपुर बनाने के लिए जिलाधिकारी की विशेष पहल सोमवार को रंग लाई। रंगारंग कार्यक्रमों के बीच इन्वेस्टर्स समिट व कानपुर देहात महोत्सव का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने किया। इस दौरान करीब १७ हजार करोड़ रुपये के १६४ निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने की जानकारी दी गई। जिससे करीब ७० हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना रहेगी। सोमवार को माती ईको पार्क में इन्वेस्टर्स समिट व कानपुर देहात महोत्सव कार्यक्रम का मुख्य अतिथि सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम खादी एवं ग्रामोद्योग रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के सपने को पूरा करने के लिए जनपद में चल रहे प्रयासों की सराहना की। कहा कि कानपुर देहात में भूमि सस्ती दरों एवं सुगमता से उपलब्ध है और फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक, बेयर हाउजिंग, इलेक्ट्रानिक व्हीकल एवं पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। ओडीओपी कार्यक्रम के तहत जनपद प्लास्टिक क्लस्टर के रूप में विकसित हो रहा है। क्लस्टर बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के री–साइकिल्ड उत्पादों का उत्पादन करता है। उन्होंने विभाग की संचालित विभिन्न योजनाओं एवं नवीन औद्योगिक नीतियों को

बताते हुए उद्यमियों को जनपद में निवेश के लिए आमंत्रित किया और मुख्यमंत्री के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कार्यक्रम के प्रयासों, रोड शो आदि के संबंध में विस्तृत चर्चा की। साथ ही सभी निवेशकों को लखनऊ में १० से १२ फरवरी को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए आमंत्रित किया। समिट में प्रतिभाग वाले उद्यमियों को डीएम नेहा जैन ने धन्यवाद देते हुए कहा कि उद्यमियों से जुड़ी जो भी समस्याएं है। उनका प्रशासन त्वरित समाधान करेगा। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने सभी उद्यमियों को कानपुर देहात इन्वेस्टर्स समिट की शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। उन्होंने अधिकारियों व उद्यमियों के साथ स्टालों में लगे उत्पादों को देखा। इस मौके पर करीब ४०० से अधिक उद्यमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रिन्स ग्रुप के कलाकारों ने बेहतरीन नृत्य प्रस्तुति दी। इन्वेस्टर्स समिट में संयुक्त आयुक्त उद्योग कानपुर सर्वेश्वर शुक्ला ने उद्योगों से संबंधित सभी नवीन नीतियों का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने कहा कि कानपुर देहात औद्योगिक परिवेश के लिए उभरता हुआ जनपद है और यहां उद्योगों के विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने उद्यमियों से नए एमएसएमई निजी पार्क विकसित करने का आवाहन किया। जिसके क्रम में उद्यमी विजय गुप्ता ने सहमति दी। उद्यमी विनय प्रकाश गुप्ता ने भी फ्लेटेड फैक्ट्री बनाने की सहमति दी। एचबीटीआई की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सोमा बनर्जी ने जनपद के ओडीओपी प्रोडक्ट प्लास्टिक के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्पों पर भी अपने विचार दिए। आईआईए कानपुर देहात के चेयरमैन राजीव शर्मा ने कार्यक्रम के भव्य आयोजन पर जिला प्रशासन की प्रशंसा की। इस दौरान उद्यमी विजय अग्रवाल स्पर्श इंडस्ट्रीज, हरदीप सिंह राखरा, पीआईए अध्यक्ष मनोज बंका ने अपने विचार रखते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन की सराहना की। इन्वेस्टर्स समिट के दौरान सबसे ज्यादा निवेश करने वाले में स्पर्श इन्डस्ट्रीज २ हजार करोड़, कैप्टन स्टील इंडिया १६५० करोड़, रैमिकी इन्फ्रा स्ट्रक्चर १५०० करोड़, एचएल एग्रो ५५० करोड़, कानपुर एडिबल मयूर ५०० करोड़, कानपुर प्लास्टिक पैक ३०० करोड़, आरएसपीएल ग्रुप ने २०० करोड़ के निवेश प्रस्ताव भरे। इन्वेस्टर्स समिट व कानपुर देहात महोत्सव के पहले दिन लोगों की भीड़ सुबह से ही माती ईको पार्क पहुंचना शुरू हो गई। वाहनों का रेला अधिक होने पर दोपहर बाद अकबरपुर से माती आने वाले रोड के एडीएम आवास मोड़ के पास से वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई। जिसके चलते लोग कचहरी से झांसी–कानपुर हाइवे होते हुए नबीपुर की ओर जाने के लिए मजबूर हुए। वहीं कई बार वाहनों के ले जाने पर पुलिस कर्मियों से लोगों की नोकझोंक भी हुई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 10 फरवरी से होने वाले ओडिशा दौरे को लेकर तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली। ओडिशा सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के १० फरवरी से शुरू होने वाले राज्य के दो दिवसीय दौरे की तैयारियों की सोमवार को समीक्षा की। मुख्य सचिव एस सी महापात्र ने एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। भुवनेश्वर–कटक के पुलिस आयुक्त सौमेंद्र प्रियदर्शी ने कहा कि बैठक में राष्ट्रपति के दौरे के लिए सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का भुवनेश्वर में दो और कटक में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ११ फरवरी की सुबह राज्य की राजधानी में लिंगराज मंदिर में दर्शन भी करेंगी। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति

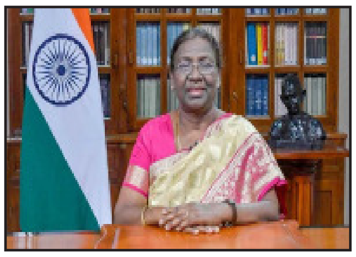

के आगमन और प्रस्थान के दौरान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) उनकी सुरक्षा का खयाल रखेगा, वहीं ओडिशा पुलिस भुवनेश्वर और कटक में उनके कार्यक्रमों के दौरान व्यवस्था करेगी। प्रियदर्शी ने कहा कि हवाई अड्डे से लेकर राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थलों और राजभवन तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि मुर्मू के दौरे से पहले अभ्यास भी किया जाएगा। भुवनेश्वर में, राष्ट्रपति १० फरवरी को रमा देवी महिला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह और उत्कल मंडप में एक अन्य कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली हैं। मुर्मू ने १६७६ में विश्वविद्यालय से कला में स्नातक किया था। राष्ट्रपति ११ फरवरी को कटक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में दूसरी भारतीय चावल कांग्रेस का उद्घाटन करेंगी।

आईटी क्षेत्र में अमेरिका की सिलीकॉन वैली से आगे है भारत : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का कहना है कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में भारत कई मायने में अमेरिका की सिलिकन वैली से भी आगे है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र डिजिटल रूप से उपलब्ध है जबकि बाकी देशों के पास अभी भी यह कागजों पर है। रविवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, ठाकुर ने शनिवार रात को ऊना में भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कहा कि देश आज डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जिसमें ''चायवाले से लेकर रेहड़ी वाले'' तक सभी इंटरनेट की मदद से अपना कारोबार कर रहे हैं। भाजपा नेता ठाकुर ने दावा किया कि नौ साल पहले जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब महंगाई १२ फीसदी थी और ''भ्रष्टाचार'' का बोलबाला था और आज जब अमेरिका जैसे देश ८.३ प्रतिशत की महंगाई दर से जूझ रहे हैं, तब भारत की महंगाई दर ५.७ प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि देश में स्टार्टअप की संख्या करीब ६०,००० है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने कोविड महामारी के कठिन समय में देश की जनता को २२० करोड़ कोविड–रोधी टीके निशुल्क लगवाए और ४ लाख करोड़ रुपए खर्च कर ८० करोड़ गरीबों को २८ महीने मुफ्त अनाज दिया है।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाशों के पैर में लगी गोली, दो गिरफ्तार

कानपुर देहात, अमृत विचार। गजनेर थाना क्षेत्र के दुआरी गांव के पास जंगल में अवैध असलहों से लैस बदमाशों के वारदात को अंजाम देने की सूचना पर पहुंची पुलिस से मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि उनके दो साथी रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। एसपी ने मौके पर छानबीन की है। रविवार रात दुआरी गांव के पास जंगल में अवैध असलहों से बदमाशों के किसी वारदात को अंजाम देने की जानकारी मुखबिर से गजनेर थाना प्रभारी सुरजीत सिंह को मिली। जिसपर उन्होंने पुलिस टीम के साथ घेराबंदी की तो बदमाशों ने असलहों से फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई। जिससे एक बदमाश घायल हो गया। इसी दौरान पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए दो बदमाशों को धर दबोचा। आरोपियों के पास से दो अवैध तमंचा, चार कारतूस व पांच खोखा बरामद हुए हैं। उन्होंने पूछताछ में अपना नाम सईद उर्फ मुन्ना निवासी सिरसा कलार थाना सिरसा कलार जनपद जालौन व कदीर निवासी विलसरायां थाना गजनेर बताया है। आरोपी सईद उर्फ मुन्ना घायल के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए पकड़े गए बदमाशों के साथी मुस्ताक उर्फ रहीस व गोलू निवासी चिटिकपुर थाना रनियां मौके से भागने में सफल रहे। जानकारी पर एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति, एएसपी घनश्याम चौरसिया व सीओ सदर प्रभात कुमार मौके पर पहुंचे और छानबीन की। गजनेर थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा। वहीं फरार दोनों आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए दोनो आरोपी पूर्व में कई आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे हैं। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि उन्होंने बीती २७/२८ जनवरी की रात गजनेर थाना क्षेत्र के करसा गांव के दो घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। ऐसे में पुलिस कई अन्य मामलों में भी सुराग तलाशने में जुट गई है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की देश में नफरत की आग बुझाने की अपील

लखनऊ। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने रविवार को सरकार, धर्म गुरुओं, विधिवेत्ताओं, नेताओं एवं मीडिया से देश में नफरत की आग को बुझाने की कोशिश करने की अपील की। उसने अदालतों से भी कमजोर नागरिकों और अल्पसंख्यकों के ऊपर होने वाले अन्याय का जायजा लेने का अनुरोध किया। रविवार को यहां नदवतुल उलमा में आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारिणी की बैठक में देश भर से आये सदस्यों ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि बोर्ड ने यह महसूस किया कि देश में नफरत का जहर घोला जा रहा है जो देश के लिए नुकसानदेह है।

मंचकृति द्वारा आयोजित ३० दिवसीय हास्य नाट्य समारोह नाटक ढोंग का मंचन

लखनऊ। नाट्य संस्था मंचकृति द्वारा आयोजित ३० दिवसीय हास्य नाट्य समारोह की चौथी संध्या पर नाटक ढोंग का मंचन किया गया। संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे सभागार में मंचित नाटक ढोंग का लेखन रमेश मेहता ने और निर्देशन संगम बहुगुणा ने किया। नाटक ढोंग में हकीम साहब का एक बेटा नरेश और बेटी मीना है। वह चाहते हैं कि उनकी बेटी की शादी किसी बड़े घर में हो जाए और दहेज भी न देना पड़े जबकि लड़के की शादी ऐसे घर में हो जहां खूब दहेज मिले। हकीम साहब की पत्नी जमुना चाहती है कि उसके बच्चों की शादियां उनकी मर्जी से हो। हकीम साहब अपनी बेटी को दिखाने के लिए एक पंडित को घर बुलाते हैं लेकिन उनकी पत्नी अपनी बिटिया की शादी को तैयार नहीं होती। हकीम साहब शादी तय कर देते हैं और उधर उनका बेटा अपनी प्रेमिका को और बेटी अपने प्रेमी को शादी के मंडप में बुला लेते हैं। शादी की प्रक्रिया चल रही है और सभी लोग बहुत खुश नजर आ रहे हैं लेकिन अचानक से जब रहस्योद्घाटन होता है तो हकीम साहब ठगे से रह जाते हैं। इस नाटक में परिस्थितियां जिस तेजी से बदलती हैं वह लोगों को ठहाके लगाने को मजबूर करती हैं। नाटक में संगम बहुगुणा, अर्चना शुक्ला, रविकांत शुक्ला, अंकुर सक्सेना, गरिमा, कीर्ति सिंह, अभिजित सिंह और हरीश वडोला ने सराहनीय भूमिकाएं अदा कीं। प्रकाश व्यवस्था गोपाल सिन्हा की थी।

श्रीदेवी का जादू, पांचवीं पुण्यतिथि पर ६,००० स्क्रीनों पर रिलीज होगी 'इंग्लिश विंग्लिश'

मुंबई। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म 'इंग्लिश विंग्लिश' को उनकी पांचवीं पुण्यतिथि पर २४ फरवरी को चीन के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। वितरक इरोज इंटरनेशनल ने बताया कि फिल्म श्इंग्लिश विंग्लिशश (२०१२) को मुख्य भूमि चीन में ६,००० स्क्रीनों पर रिलीज किया जाएगा। वहीं, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीओओ) कुमार आहूजा ने एक बयान में कहा, 'दिवंगत बॉलीवुड अभिनेत्री श्रीदेवी की सबसे यादगार फिल्मों में से एक श्इंग्लिश विंग्लिश' को चीन की दर्शकों को दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' गौरी शिंदे द्वारा निर्देशित हिंदी पारिवारिक कॉमेडी–ड्रामा के माध्यम से श्रीदेवी ने लंबे समय बाद रुपहले पर्दे पर वापसी थी। यह फिल्म २०१२ के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म श्रेणी में अकादमी पुरस्कार के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि थी। फिल्म में श्रीदेवी एक शांत, मधुर स्वभाव वाली गृहिणी शशि गोडबोले का किरदार निभाती हैं। वह अंग्रेजी बोलने और समझने में असमर्थता के कारण हर दिन अपने पढ़े–लिखे पति और बेटी से छोटी–छोटी ताने सहती थी। श्रीदेवी के अलावा फिल्म में आदिल हुसैन, सुमीत व्यास, प्रिया आनंद, सुलभा देशपांडे और फ्रांसीसी अभिनेता मेहदी नेब्बू भी हैं।

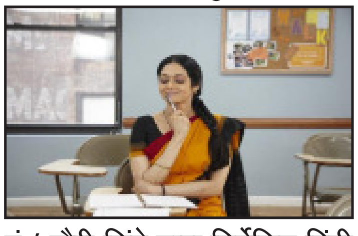

मिड नाइट इविक्शन में बिग बॉस के घर से बेघर हुई सबसे पपुलर कंटेस्टेंट, जानिए किसको मिली टॉप ५ में जगह

मुंबई। रियलिटी शो श्बिग बॉस १६श अब अपने अंतिम पड़ाव में प्रवेश कर चुका है सीजन का आखरी हफ्ता और इसके साथ ही एक और कंटेस्टेंट शो से बाहर हो गया है। फिनाले से ६ दिन पहले ही बिग बॉस का चौकाने वाला इविक्शन जिसमें जनता ने उन्हें सबसे कम वोट देकर शो से बाहर कर दिया। घर में ५ सदस्य बचे हैं, जिनके बीच फिनाले की जंग चल रही है। वैसे ये इविक्शन काफी चौंकाने वाला था क्योंकि उन्हें ट्रॉफी का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा था। बिग बॉस १६ अपने १८वें हफ्ते में प्रवेश कर चुका है, इस दौरान खबर आ रही है कि निमृत कौर अहलूवालिया घर से बेघर हो गई हैं। बिग बॉस १६ में लाइव दर्शकों ने आकर अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को वोट किया। इस दौरान कंटेस्टेंट्स के पास घर में दर्शकों से बात करने और उन्हें वोट देने के लिए मनाने का भी समय था। सभी ने कड़ी मेहनत की और दर्शकों के सामने अपने अंतिम भाषण में अपनी जी जान लगा दी। इस वोटिंग के परिणामस्वरूप प्रियंका, शिव और स्टेन ने एक–एक राउंड जीत लिया। घर में सबसे कम वोट पाने वालों में निमृत कौर, शालीन भनोट और अर्चना गौतम थीं। इसमें भी निमृत औसत से नीचे रहे और इसी के साथ मिड वीक एविक्शन में निमृत कौर बेघर हो गईं। ग्रैंड फिनाले से ठीक पहले बिग बॉस के इस मास्टर स्ट्रोक ने घरवालों को पूरी तरह हिला कर रख दिया। निमृत के जाने के बाद अब टॉप ५ कंटेस्टेंट्स घर में ही रह गए हैं। हाल ही में दर्शकों के वोटों के अनुसार सुम्बुल तौकीर खान घर से बेघर हुई थी।

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां अधूरी

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद की यूपी बोर्ड की परीक्षा १६ फरवरी से शुरू हो जाएगी, लेकिन परीक्षा को लेकर तैयारियां अभी भी अधूरी हैं। दावा है कि सभी केंद्रों पर स्ट्रांग रूम होंगे और सीसीटीवी निगरानी करेगा। जबकि हालिया तैयारियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों की तैयारी की पोल खोल दी है। विद्यालय स्तर पर स्ट्रांग रूम के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है वहीं कैमरे लगाने के नाम पर भी कई विद्यालयों में अब तक व्यवस्था अधूरी है। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) राकेश कुमार पांडेय ने जीएनएलडी रस्तोगी इंटर कॉलेज को सीसीटीवी कैमरे लगवाने, कस्तूरबा कन्या इंटर कलेज सआदत गंज को स्ट्रांग रूम बनवाने, कुम्हरावां इंटर कलेज को प्रथम तल पर स्ट्रांग रूम बनाने, अभिनव गर्ल्स कलेज को हर कक्षाओं में कैमरा लगवाने के कड़े निर्देश देते हुए बताया कि राजकीय इंटर कालेज निशात गंज में स्ट्रांग रूम बन कर तैयार है। साथ ही सीसीटीवी की प्रयाप्त व्यवस्था की गई है। उधर ऐसे कई विद्यालय हैं यहां तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बाकी जिन कालेजों में व्यवस्था अब तक नहीं की गई है। उन्हें एक सप्ताह का समय देते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी गई। उन्होंने बताया कि यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर शनिवार को एडीएम प्रशासन विपिन मिश्रा, संयुक्त शिक्षा निदेशक सुरेंद्र तिवारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को परिषद की गाइडलाइन से रूबरू कराया है। इस दौरान अधूरी तैयारी वाले परीक्षा केंद्रों का नाम नोट कर व्यवस्थापकों को भी चेतावनी दी। अपर जिलाधिकारी प्रशासन विपिन मिश्रा ने कहा कि केंद्र व्यवस्थापक अपना कोई नियम न बनाएं। बोर्ड के निर्देशों का ही पालन करें इंटरनेट स्पीड सही रखें, जिससे सीसीटीवी कैमरे सही ढंग से करें। अधिकारियों ने मंडल के १२६ सभी केंद्र व्यवस्थापकों को संवेदनशीलता के साथ बोर्ड परीक्षा संपन्न कराने की सलाह दी है। ऐसा न करने वाले परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक नपेंगे। उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रैमी अवॉर्ड्स में कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं भारत की ऐनेट फिलिप

लॉस एंजेलिस। बर्कली इंडियन ऑनसेंबल की फाउंडर ऐनेट फिलिप सोमवार को ग्रैमी अवॉर्ड्स में कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं। उन्होंने रेड कार्पेटपर बताया कि वह साड़ी भारतीय बुनकरों ने बनाई है और कहा, अपने पहनावे से अपने देश और संसेंति को प्रदर्शित कर खुशी हो रही है। अनसेंबल के शुरुआत को बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक ऐल्बम कैटेगरी में नमिनेट किया गया था। वहीं, बेंगलुरू में बसे संगीतकार रिकी केज ने एल्बम 'डिवाइन टाइड्स' के लिए ग्रैमी पुरस्कार जीता है। केज का यह तीसरा ग्रैमी पुरस्कार है। केज ने इस सम्मान को अपने देश भारत को समर्पित किया।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक